1	2	3	4	5	6
ामड़े के जूले ध्रादि					
ाजनो एक पोर्ट,					
मास्को	24.08	4.37	2.11		- 1999
ुलमेक, कनाडा		1.55			
मड़े का सामान					
एकः ए० हिल्लेवरकेट					
प० जनर्नी	0.62	mantures.			
डी० ई० झाई० ए०,					
मेक्स स्टोहर,			_		
प० जर्भनो			0.60		
सींसिको इंटरनेशनल 					
कार्पो०,सं० रा० ग्रमरीका				0.90	_
				0.90	
साधित खाद्य					
ने सन्दर्भ को ० फाँ ८ फाँ रेन जेना नगर 1			3.16		
ट्रेड, संदर्भ नेन का			0.10		
पेंट बुश 				0.00	
सोज्ज्पुशन्तिना, मास्तो 				0.08	
शामल नहा	हैं जिन्हें निपट संस्थान			हां, तो इसके ब	म्या निष्क
मैसर्स सहारा सेविंग लिमिटेड गोरखपुर,	द्वारः की		वकले ?		
लिमिटेड गोरखपुर,		गई वि	नकले ? वित्त मंत्रा	लय में उप	•
लिमिटेड गोरखपुर, तथा कथित झ 3148 श्री निहा	द्वारा को ः ानियमिततार्ये । ल सिंह : क्या	गई ि वित्त ^उ	नकले [?] वित्त मंत्रा ग्नार्दन पुजारी	लय में उप) (क)	से (घ)
लिमिटेड गोरखपुर, तथा कथित झ	द्वारा को ः ानियमिततार्ये । ल सिंह : क्या	गई ि वित्त ^उ	नकले ? वित्त मंत्रा ग्नार्दन पुजारी रंजर्व बैंक के ग्र	लय में उप) (क) प्रनुसार यह कम्प	से (घ) रनी इनाम
लिमिटेड गोरखपुर, तथा कथित झ 3148 श्री निहा मंत्रो यह वर्ताने की छप (क) क्या सरका	द्वारा की स ानियमिततार्ये । ल सिंह : क्या तकरेंगे कि : र ने मैसर्स स	गई ि वित्त ^ऊ हारा ि	नकले? वित्त मंत्रा ग्तार्दन पुजारी रेजर्व बैंक के क चेट कारबार ब	लय में उप) (क) प्रनुसार यह कम् हा संचालन का	से (घ) पनी इनाग र रही ब
लिमिटेड गोरखपुर, तथा कथित झ 3148 श्री निहा मंत्रो यह वर्ताने की ध्रप (क) क्या सरका सेविंग एंड फःइनेंस प्राइ	द्वारा की तियमिततार्ये । ल सिंह : क्या करेंगे कि : र ने मैंसर्स स इवेट लिमिटेड सि	गई ि वित्त ^फ तित्त ि हारा ि लेमा कि	वकले ? वित्त मंत्रा ग्तार्दन पुजारी रेजर्व बैंक के चेट कारबार ब जेस पर इनामी	लय में उप) (क) पनुसार यह कम्प हा संचालन कर चिट ग्रीर धन	से (घ) पनी इनाग र रही ध परिचाल
लिमिटेड गोरखपुर, तथा कथित झ 3148 श्री निहा मंत्रो यह वर्ताने की छप (क) क्या सरका सेविंग एंड फःइनेंस प्राइ रोड, गोरखपुर (उत्त	द्वारा की ।नियमिततार्ये । ल सिंह : क्या एकरेंगे कि : र ने मैसर्स स ब्वेट लिमिटेड सि पर प्रदेश) की	गई ति वित्त ^फ तित्त ि हारा ् िनेमा ् गति-	वित्त मंत्रा वित्त मंत्रा ग्तार्दन पुजारी रेजर्व बैंक के चेट कारबार ब जेस पर इनामी कीम (पाबन्दी)	लय में उप) (क) प्रनुसार यह कम् हा संचालन का	से (घ) तनीइनाग र रही थ परिचाल 1978
लिमिटेड गोरखपुर, तथा कथित झ 3148 श्री निहा मंत्रो यह वर्ताने की छप _(क) क्या सरका सेविंग एंड फ/इनेंस प्राद रोड, गोरखपुर (उत्त विधि यों के बरे में जान	द्वारा की जियमिततार्ये । ल सिंह : क्या करेंगे कि : र ने मैसर्स स क्वेट लिमिटेड सि र प्रदेश) की ब करवाई है ;	गई ि वित्त ^उ हारा ि नेमा ् गति- इ	वित्त मंत्रा वित्त मंत्रा रजर्व बैंक के रेजर्व बैंक के रेजर्व कारबार ब जेस पर इनामी कीम (पाबन्दी) सधीन पाबन्दी	लय में उप) (क) प्रनुसार यह कम हा संचालन क चिट और धन अधिनियम,	से (घ) तनी इनाम र रही थ परिचाल 1978 है । इ
लिमिटेड गोरखपुर, तथा कथित झ 3148 श्री निहा मंत्रो यह वताने की छप (क) क्या सरका सेविंग एंड फाइनेंस प्राद रोड, गोरखपुर (उत्त विधि यों के बारे में जान (ख) यदि हा, ते	द्वारा की । नियमिततायें। ल सिंह : क्या करेंगे कि : र ने मैंसर्स स इवेट लिमिटेड सि र प्रदेश) की ब करवर्इ है ; गे कम्पनी का	गई ि वित्त ^फ हारा ि हारा ् ि गति- इ कुल इ	वित्त मंत्रा वित्त मंत्रा रजर्व बैंक के रेजर्व बैंक के रेजर पर इनामी कीम (पाबन्दी) राधीन पाबन्दी राधिनियम के उ राक्तियां सम्ब	लय में उप) (क) प्रनुसार यह कम हा संचालन क चिट और धन चिट और धन चिट और धन जीधनियम, लगा दी गई उपबन्धों को लाग	से (घ) पनी इनाम र रही छ परिचाल 1978 है । इ गू करने व सरकार
लिमिटेड गोरखपुर, तथा कथित झ 3148 श्री निहा मंत्रो यह वर्ताने की छप (क) क्या सरका सेविंग एंड फाइनेंस प्राइ रोड, गोरखपुर (उत्त विधि यों के बरे में जान (ख) यदि हा, त वर्तम न पूंजी नि्वेश वि	द्वारा को लियमिततार्ये । ल सिंह : क्या करेंगे कि : र ने मैसर्स स करेट लिमिटेड सि र प्रदेश) की ब करवर्द्ध है ; तो कम्पनी का क्तना है और इ	गई ति वित्त ^फ हारा [ि] नेमा ि गति- इ कुल इ दसकी ट	वकले ? वित्त मंत्रा तार्दन पुजारी रेजर्व बैंक के क चेट कारबार ब जेस पर इनामी कीम (पाबन्दी) प्रधीन पाबन्दी प्रधिनियम के उ गवितयां सम्ब गास हैं। इनग	लय में उप) (क) प्रनुसार यह कम हा संचालन कर चिट ग्रीर धन चिट ग्रीर धन जिट ग्री गई उपबन्धों को लाग निधत राज्य मी चिट स्कीम	से (घ) तनी इनाम र रही श परिचाल 1978 है। इ गूकरने व सरकार ों के सम्ब
लिमिटेड गोरखपुर, तथा कथित झ 3148 श्री निहार मंत्रो यह वर्ताने की छप (क) क्या सरका सेविंग एंड फाइनेंस प्राइ रोड, गोरखपुर (उत्त विधि गों के बारे में जांच (ख) यदि हां, त वर्तम न पूंजो निवेश कि कुल सदस्य संख्या कित	द्वारा को लियमिततार्ये । ल सिंह : क्या करेंगे कि : र ने मैंसर्स स क्वेट लिमिटेड सि र प्रदेश) की ब करवाई है ; तो कम्पनी का कतना है और इ नो है ;	गई ति वित्त ^उ हारा ि गति- इ कुल इ इसकी द	विक्ते ? विक्त मंत्राय ग्रिनार्दन पुजारी रेजर्व बैंक के य चेट कारबार ब जेस पर इनामी कीम (पाबन्दी) प्रधीन पाबन्दी प्रधिनियम के उ गवित्तयां सम्ब गास हैं। इनग में, कम्पनी ने ग्र	लय में उप) (क) मनुसार यह कम हा संचालन कर चिट ग्रीर धन चिट ग्रीर धन ज्राधनियम, लगा दी गई ज्यबन्धों को लाग न्धित राज्य नी चिट स्कीम पना परिसमाप	से (घ) तनी इनाग र रही छ परिचाल 1978 है। इ गू करने क सरकार ते के सम्बद्ध न कार्यत्र
लिमिटेड गोरखपुर, तथा कथित झ 3148 श्री निहा मंत्रो यह वर्ताने की छप (क) क्या सरका सेविंग एंड फाइनेंस प्राइ रोड, गोरखपुर (उत्त विधि गों के बरे में जान (ख) यदि हां, त वर्तम न पूंजी नि्वेश वि	द्वारा को नियमिततायें । ल सिंह : क्या करेंगे कि : र ने मैसर्स स करेट लिमिटेड सि र प्रदेश) की ब करवर्ड है ; तो कम्पनी का जतना है और ब नो है ; कम्पनी द्वारा की	गई ति वित्त ^उ हारा ि हारा ् ि गति- इ कुल क सकी ट सकी ट	वित्त मंत्रा वित्त मंत्रा गार्वन पुजारी रेजर्व बैंक के क चेट कारबार ब जेस पर इनामी कीम (पाबन्दी) प्रधीन पाबन्दी प्रधिनियम के उ गवित्तयां सम्ब गास हैं। इनग ने क्र गाज्य सरकार	लय में उप) (क) प्रनुसार यह कम हा संचालन कर चिट ग्रीर धन चिट ग्रीर धन जिट ग्री गई उपबन्धों को लाग निधत राज्य मी चिट स्कीम	से (घ) पनि इनाम र रही छ परिचाल 1978 है । इ गू करने क सरकार त कार्यत्र है जिस प

ł

216

ग्रनुसार, कम्पनी द्वारा हाल में विज्ञापित स्कोमें, उक्त पाबन्दी अधिनियम के अन्तर्गत आपत्तिजनक नहीं है ।

इस कम्पनी की 30-9-1979 की स्थिति के सबसे हाल के उपलब्ध तुलन-पत के मुताबिक कम्पनी की प्रदत्त पूंजी 11,000 रु॰ थी। कम्पनी द्वारा, उत्तर प्रदेश सरकार को भेजे गए परिसमापन कार्यक्रम के साथ संलग्न विवरण के मुताबिक, सितम्वर, 1980 में पंजीकृत ग्रीर वास्तविक ग्रभि-दातांग्रों की संख्या 10,353-थी।

I.R.D. Programme and assistance available thereunder

3149. SHRI G. NARSIMHA REDDY: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government ar_e aware of the fact that there wa_s lack of awareness in the rural areas about I.R.D. Programme and the assistance available therewoder;

(b) whether it is also a fact that despite instructions issued by the Reserve Bank of India some bank managers in the rural area, demand security for advancing a loan of Rs. 5000/-;

(c) if so, whether Government have made an indepth assessment to find out where and how the I.R.D. Programme is not able to make as much progress as is intended and if so, the findings thereof; and

(d) the steps taken to publicise and remove the financial obstacles mentioned in (a) and (b) above?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHANA POOJARY): (a) to (d) The Integrated Rural Development Programme is being implemented by the concerned State level institutions in close coordination with the public sector banks and other financial institutions providing credit in rural areas. Banks on their part have also been strengthening their infrastructure with a view to support

the implementation of the pragramme as widely as possible. In the vear 1980-81, the bank credit mobilised for the Programme was Rs. 124 crores as compared to Rs. 85 crores in the preceding year. The Reserve bank of India has also given clear instructions to the banks that in respect of loans up to the cost of the economic unit, or Rs. 5000/-, whichever is less, for agriculture and allied activities, the only security to be taken is the assets to be created, or the crop to be raised, with the loan. The banks are required to strictly adhere to this and to ensure that there are no complaints in regard to follow up on these instructions. The implementation of the Programme was reviewed in a meeting convened on 21-11-1981 under the chairmanship of Governor, Reserve Bank of India, which was attended to by the Chief executives of the banks and the chief secretaries of the States. The main issues identified in the meeting which required attention in this context on the part of the banks and the State Govts. are indicated in the Annexure, The Reserve Bank of India has since issued revised detailed instructions to banks to ensure their effective participation in the implementation of the Programme.

Statement

(a) The net work of the bank branches, including the Regional Rural Banks, has to be extended to provide further Banking facilities in the rural and semi-urban areas.

(b) Administrative and procedural arrangements have to be devised to bring about better coordination between the banks and the district rural development agency. The District Consultative Committees should be in a position to bring about closer between the State coordination agencies and the banks. There should be regular monitoring and review of performance for which data should be available within a reasonable period.